BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

काशी तमिल संगमम 5.0

तिरुक्कुरल पाईलवोम: तिरूक्कुलरल को देश भर में लेकर चलें

24 नवंबर, 2026

काशी तमिल संगमम तमिलनाडु और काशी (वाराणसी) के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक, भाषायी और सभ्यतागत संबंधों का उत्सव मनाता है, जो एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को दर्शाता है। 28 नवंबर से 12 दिसंबर, 2026 तक निर्धारित इसका पांचवां आयोजन, ***"तिरुक्कुरल पाईलवोम - तिरुक्कुरल अभ्यास करें"*** *विषय पर केंद्रित होगा, जो युवा शिक्षार्थियों में तिरुक्कुरल की कालातीत शिक्षण को बढ़ावा देगा। तमिलनाडु से लगभग 1,400 प्रतिनिधि वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या का दौरा करेंगे। एक राष्ट्रीय छात्र सहभागिता कार्यक्रम में 1,000 उच्च शिक्षा संस्थान शामिल होंगे, जबकि तमिलनाडु के शिक्षक उत्तर प्रदेश के स्कूलों और कॉलेजों में तिरुक्कुरल को लागू करेंगे। शैक्षणिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और बहुभाषी आउटरीच के माध्यम से, यह पहल पारस्परिक समझ को गहरा करने, लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने और भारत की साझा विरासत को बढ़ावा देने का प्रयास करती है।*

काशी तमिल संगमम के बारे में

काशी तमिल संगमम दो प्राचीन शिक्षा स्थल तमिलनाडु और काशी के बीच प्राचीन सभ्यतागत संबंधों का जश्न मनाता है। दोनों राज्यों के कई लोग अपनी धार्मिक परंपराओं के तहत काशी और रामेश्वरम गए हैं, जो भारत के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है।

तमिलनाडु के कई लोग पीढ़ियों से हनुमान घाट और केदार घाट के आसपास रहते आए हैं। धर्मपुरम अदीनम के स्वामी कुमारगुरुपारा तमिलनाडु से काशी आए और केदार घाट पर केदारेश्वर मंदिर का निर्माण किया। 200 साल पुराना कुमारस्वामी मठ और मार्कंडेय आश्रम एक ही घाट पर स्थित हैं। तमिलनाडु में तेनकासी को दक्षिण की काशी कहा जाता है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में महाकवि सुब्रमणिया भारती को समर्पित एक चेयर है।

संगमम का व्यापक उद्देश्य, जिसे 2022 में घोषित किया गया था, ज्ञान और सांस्कृतिक परंपराओं को करीब लाना, साझा विरासत की समझ बनाना और क्षेत्रों के बीच लोगों के बीच संबंध को गहरा करना है।

पहला काशी तमिल संगमम 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान आयोजित किया गया था। अपने चार आयोजनों में, इसने दोनों क्षेत्रों के बीच ज्ञान, भाषा, परंपराओं और जीवंत अनुभवों के आदान-प्रदान को सुगम बनाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसे "एक जीवंत कार्यक्रम कहा है जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को गहरा करता है।"

प्रत्येक आयोजन में, तमिलनाडु के छात्र, शिक्षक, कारीगर, विद्वान, आध्यात्मिक गुरु और सांस्कृतिक साधक काशी में एक सप्ताह से दस दिन बिताते हैं। उन्होंने काशी के मंदिरों, तमिल संबंधों वाले स्थानों और आस-पास के अयोध्या और प्रयागराज शहरों का दौरा किया है। प्रतिभागियों ने सेमिनारों, वार्ताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल आयोजनों और प्रदर्शनियों में भी अपने काशी समकक्षों से मुलाकात की।

संगमम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, आईआईटी मद्रास, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल (सीआईसीटी), चेन्नई और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से किया जाता है। कई केंद्रीय मंत्रालय और विभाग भी साझेदार हैं, जिनमें संस्कृति, रेलवे, पर्यटन और वस्त्र शामिल हैं।

काशी तमिल संगमम 5.0: तिरुक्कुरल पाईलवोम

पांचवां संगमम 28 नवंबर से 12 दिसंबर, 2026 तक "***तिरुक्कुरल पाईलवोम - तिरुक्कुरल अभ्यास करें"*** (आइए तिरुक्कुरल सीखें) विषय पर आयोजित किया जाएगा।

तिरुक्कुरल तमिल का शास्त्रीय ग्रंथ है, जो नैतिकता और आचरण का प्रतीक है। इसके लेखक तिरुवल्लुवर ने इसे तीन भागों: **अराम (सद्गुण), पोरुल (धन)**, और **इनबम (प्रेम)** में विभाजित किया। इस ग्रंथ में **1,330 दोहे** हैं, और सीआईसीटी ने इसे 25 भारतीय भाषाओं में अनुवादित किया है, जिनमें संविधान की आठवीं अनुसूची की सभी 22 भाषाएं शामिल हैं, साथ ही कई विदेशी भाषाएं और ब्रेल भी।

पांचवें आयोजन के उद्देश्य हैं:

- तिरुक्कुरल की आचार और नैतिक बुद्धिमत्ता को युवाओं और देश भर के शिक्षार्थियों के करीब लाना।
- शैक्षिक भागीदारी, बहुभाषी संसाधनों और व्यापक सार्वजनिक पहुंच के माध्यम से पाठ के मूल्यों को पढ़ने, समझने और दैनिक जीवन में लागू करने को प्रोत्साहित करना।
- विभिन्न शैक्षणिक विषयों और भाषायी पृष्ठभूमि के छात्रों के बीच तिरुक्कुरल की व्यापक समझ को बढ़ावा देना।



काशी तमिल संगमम 5.0 की प्रमुख पहल

छात्र सहभागिता कार्यक्रम

1,000 उच्च शिक्षा संस्थानों के माध्यम से एक राष्ट्रीय छात्र सहभागिता कार्यक्रम चलाया जाएगा ताकि विभिन्न शैक्षणिक विषयों और भाषायी पृष्ठभूमि के छात्रों के बीच तिरुक्कुरल की व्यापक समझ को बढ़ावा दिया जा सके। इसमें संरचित अध्ययन, अनुसंधान और कैंपस आधारित गतिविधियां शामिल होंगी।

- प्रत्येक भागीदार संस्थान तिरुक्कुरल पर अपने इच्छुक छात्रों का मूल्यांकन करेगा और मेरिट के आधार पर एक छात्र को नामांकित करेगा।
- चयनित छात्र 22 अनुसूचित भाषाओं और अंग्रेज़ी में एक ऑनलाइन शैक्षणिक अभिविन्यास में भाग लेंगे।
- इसके बाद एक महीने का शोध और शैक्षणिक जुड़ाव होगा, जिसमें सीआईसीटी से बहुभाषी अध्ययन सामग्री शामिल होगी। प्रत्येक पात्र चयनित छात्र को ₹10,000 का स्टाइपेंड मिलेगा, जो कार्यक्रम के दिशानिर्देशों और निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा करने के अधीन होगा।
- प्रत्येक छात्र एक संकाय गाइड के तहत 4 से 10 पृष्ठों का एक लेख या शोध नोट लिखेगा, और संस्थान में तिरुक्कुरल पर एक घंटे की प्रस्तुति देगा।

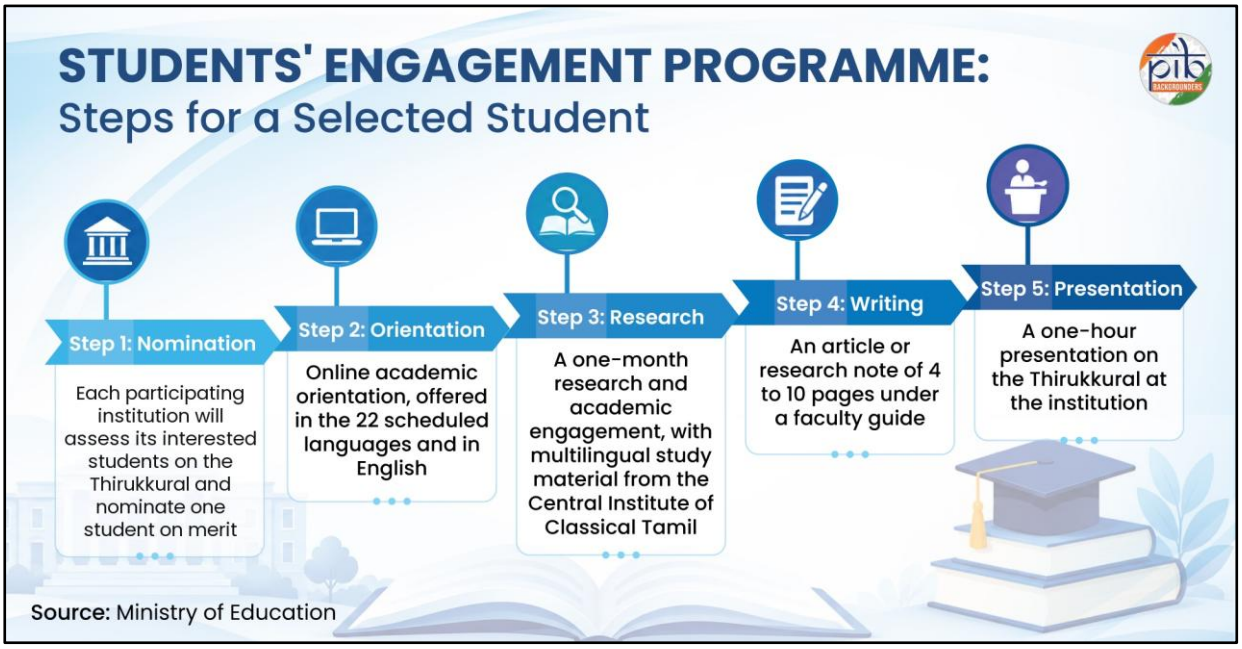

उत्तर प्रदेश के स्कूलों और कॉलेजों में तिरुक्कुरल शिक्षण

संगमम के दौरान, तमिलनाडु के 50 शिक्षक उत्तर प्रदेश आएंगे और स्कूलों और कॉलेजों में तिरुक्कुरल पढ़ाएंगे। तमिलनाडु के तिरुक्कुरल विशेषज्ञ भी वाराणसी के स्कूलों और कॉलेजों का दौरा करेंगे। वे छात्रों को ओरिएंटेशन मॉड्यूल, इंटरैक्टिव सत्रों और क्विज के माध्यम से पाठ के आधारभूत मूल्यों से परिचित कराएंगे।

स्कूलों में पठन सत्र

नेशनल बुक ट्रस्ट, राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के सहयोग से, वाराणसी के स्कूलों में पढ़ने की आदतों, कहानी कहने और रचनात्मक गतिविधियों पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करेगा।

उद्घाटन, सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम

काशी तमिल संगमम 5.0 का उद्घाटन 28 नवंबर, 2026 को होगा, और इसका समापन समारोह 12 दिसंबर, 2026 को होगा। छात्र सहभागिता कार्यक्रम के तहत चुने गए छात्र दोनों कार्यक्रमों में ऑनलाइन भाग लेंगे। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तिरुक्कुरल पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें भारतीय भाषा समिति भागीदार होगी। संस्कृति मंत्रालय सांस्कृतिक मंडलियां, तिरुक्कुरल लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग और सांस्कृतिक प्रदर्शन स्थलों पर प्रदान करेगा। मुख्य स्थल पर प्रतिनिधियों के लिए तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्प और हथकरघा आउटलेट स्थापित किए जाएंगे।

डिजिटल और सार्वजनिक आउटरीच

काशी तमिल संगमम 5.0 भी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके तिरुक्कुरल की शिक्षाओं को भारत भर में व्यापक दर्शकों के लिए सुलभ बनाएगा। सीआईसीटी का तिरुक्कुरल बहुभाषी ऐप सभी 1,330 दोहे और 22 अनुसूचित भाषाओं में अनुवाद प्रदान करता है। सीआईसीटी के आयोजन के कार्यक्रम में चयनित दोहे पर लघु एनिमेटेड वीडियो और फिल्में तथा तिरुक्कुरल ऑडियोबुक्स भी शामिल हैं। रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों और राजमार्ग

टोल प्लाज़ा पर यात्री सूचना प्रणालियों और साइनबोर्डों के लिए अनुवाद के साथ दोहे की योजना बनाई गई है, जो भारतीय रेल, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समन्वय में हैं।

प्रतिनिधि और यात्रा कार्यक्रम

तमिलनाडु से लगभग **1,400 प्रतिभागी,** जिन्हें लगभग 200 व्यक्तियों के सात समूहों में संगठित किया गया है, आठ दिन की यात्रा पर निकलेंगे। इसमें चार दिन की यात्रा, चार दिन की यात्राएं और संरचित कार्यक्रम शामिल हैं। यात्रा कार्यक्रम वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या को कवर करता है, जिसमें सांस्कृतिक, शैक्षणिक, क्षेत्र-विशिष्ट और आध्यात्मिक भागीदारी शामिल है।

प्रतिभागी सात श्रेणियों से आते हैं:

- छात्र
- शिक्षक
- लेखक और मीडिया पेशेवर
- कृषि और संबद्ध क्षेत्र
- पेशेवर और कारीगर
- महिलाएं
- आध्यात्मिक गुरु

वाराणसी में अपने प्रवास के दौरान, प्रतिनिधि प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा करेंगे, जिनमें काशी विश्वनाथ मंदिर, सारनाथ या बीएचयू, रामनगर किला और भारत माता मंदिर शामिल हैं। यात्रा कार्यक्रम में गंगा आरती, गंगा स्नान, शैक्षणिक सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल हैं। इसके बाद प्रतिनिधि प्रयागराज के त्रिवेणी संगम और अयोध्या के श्री राम मंदिर का दौरा करेंगे।

एक विशेष तमिल विरासत सर्किट प्रतिनिधियों को महाकवि सुब्रमणिया भारती के पैतृक घर, केदार घाट और *लिटिल तमिलनाडु* में *काशी मैडम तक ले जाएगा,* साथ ही बीएचयू के तमिल विभाग में एक शैक्षणिक संवाद भी होगा।

प्रारंभिक आयोजन

2022 से 2025 के बीच आयोजित काशी तमिल संगमम के पहले चार आयोजनों ने तमिलनाडु और काशी के बीच सांस्कृतिक, भाषायी और ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत किया। इस विरासत पर आधारित, पांचवां आयोजन लोगों के बीच संबंधों को और गहरा करने और दोनों क्षेत्रों की साझा विरासत का जश्न मनाने का प्रयास करता है।

काशी तमिल संगमम 1.0 (नवंबर से दिसंबर 2022)

नवंबर से दिसंबर 2022 तक पहला आयोजन किया गया था। तमिलनाडु के 2,500 से अधिक लोग, जो 12 विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, आठ दिवसीय यात्राओं पर वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या गए। यह कार्यक्रम बीएचयू, वाराणसी में आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने इसे 19 नवंबर 2022 को वाराणसी में उद्घाटित किया। प्रतिनिधियों ने सेमिनारों और साइट विजिट में भाग लिया ताकि समान व्यवसायों, पेशों और रुचियों के लोगों से मिल सकें। काशी में हस्तकरघा, हस्तशिल्प, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट आइटम, पुस्तकें, वृत्तचित्र, व्यंजन और कला रूपों की एक महीने लंबी प्रदर्शनी लगाई गई, साथ ही विशेषज्ञों और विद्वानों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान, सेमिनार और चर्चाएं भी हुईं।

काशी तमिल संगमम 2.0 (दिसंबर 2023)

दूसरा आयोजन 17 से 30 दिसंबर, 2023 तक वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया। इसमें प्रधानमंत्री के भाषण का पहला रियल-टाइम, ऐप-आधारित तमिल अनुवाद शामिल था, जो आगंतुक प्रतिनिधियों के लिए था। आयोजन के कार्यक्रम में ट्रेन द्वारा वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या के आठ दिन के दौरे शामिल थे। प्रतिनिधियों को सात समूहों में यात्रा करनी थी, जिनका नाम गंगा, यमुना, सरस्वती, सिंधु, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी जैसी पवित्र नदी के नाम पर रखा गया था। इसमें तमिलनाडु और काशी की कला, हथकरघा, हस्तशिल्प और व्यंजन के स्टॉल, नमो घाट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, और साहित्य, प्राचीन ग्रंथ, दर्शन, आध्यात्मिकता, संगीत, नृत्य, नाटक, योग, आयुर्वेद और आधुनिक नवाचारों पर अकादमिक आदान-प्रदान शामिल थे।

काशी तमिल संगमम 3.0 (फरवरी 2025)

तीसरा आयोजन 15 से 24 फरवरी, 2025 तक आयोजित हुआ। इसने ऋषि अगस्त्य की विरासत को उजागर किया और भारतीय ज्ञान परंपरा को समकालीन विमर्श से जोड़ा। तमिलनाडु से लगभग 1,000 प्रतिनिधि भाग लिए, साथ ही विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त 200 छात्र भी शामिल हुए। आयोजन के कार्यक्रम में पहली बार प्रयागराज के महाकुंभ और अयोध्या में नव-उद्घाटित राम मंदिर का दौरा शामिल था। काशी में ऋषि अगस्त्य पर एक प्रदर्शनी, सेमिनार, कार्यशालाएं और उनके विद्वतापूर्ण कार्यों पर पुस्तक विमोचन की योजना बनाई गई थी। यह आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के भारतीय ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक ज्ञान प्रणालियों के साथ एकीकृत करने पर जोर देने के अनुरूप था। इस आयोजन में 869 से अधिक कलाकारों और 190 स्थानीय लोक और शास्त्रीय समूहों के प्रदर्शन शामिल थे और लगभग 2 लाख आगंतुकों को आकर्षित किया।

काशी तमिल संगमम 4.0 (दिसंबर 2025)

चौथा आयोजन 2 से 15 दिसंबर, 2025 तक किया गया, जो **"तमिल करकलम - आइए तमिल सीखें"** विषय पर केंद्रित था। इसमें तमिलनाडु के सात श्रेणियों में 1,400 **से अधिक प्रतिनिधि एकत्रित हुए**। एक प्रमुख आकर्षण वाराणसी में 50 प्रशिक्षित तमिल शिक्षकों और समन्वयकों का आगमन था, जो **50 स्कूलों में 1,500**

से अधिक छात्रों को मूल तमिल पढ़ाते थे। तमिल करपोम पहल **के तहत**, काशी के 300 कॉलेज छात्रों के लिए तमिलनाडु में तमिल शिक्षण अध्ययन यात्राएं आयोजित की गईं। इस आयोजन में तेनकासी से काशी तक **ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान** भी शामिल था, जो दोनों क्षेत्रों की साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को उजागर करता है। भारतीय रेल ने प्रतिनिधियों के लिए सात विशेष ट्रेनें चलाईं, जबकि प्राचीन तमिल ग्रंथ *टोलकप्पियम* के चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद जारी किए गए। आयोजन का समापन 30 दिसंबर, 2025 को रामेश्वरम में एक समापन समारोह के साथ हुआ।

एक साझा सभ्यतागत विरासत को आगे बढ़ाना

काशी तमिल संगमम भारत की सांस्कृतिक आदान-प्रदान की पुरानी परंपरा को दर्शाता है, जहां भाषा, साहित्य, ज्ञान और साझा परंपराओं ने विभिन्न क्षेत्रों में समुदायों को जोड़ा है। लोगों को सीधे संवाद और शिक्षण के माध्यम से एक साथ लाकर, यह पहल पारस्परिक समझ को गहरा करने और तमिलनाडु और काशी के बीच संबंधों को मजबूत करने का प्रयास करती है।

तिरुक्कुरल *पर ध्यान केंद्रित करते हुए*, पांचवां आयोजन इस जुड़ाव को संगमम की पारंपरिक सेटिंग से आगे बढ़ाकर देश भर के शैक्षिक संस्थानों और युवा शिक्षार्थियों तक पहुंचाता है। भाषायी और क्षेत्रीय सीमाओं के पार शास्त्रीय तमिल पाठ के अध्ययन को प्रोत्साहित करके, यह भारत की साहित्यिक और दार्शनिक विरासत को व्यापक दर्शकों के लिए अधिक सुलभ बनाने का प्रयास करता है। ऐसा करते हुए, काशी तमिल संगम **एक भारत श्रेष्ठ भारत की** भावना को आगे बढ़ाता रहता है, साझा ज्ञान, सांस्कृतिक समझ और जन-जन संबंधों के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देता है।

संदर्भ

शिक्षा मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2326535

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2332761

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2198004

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1877338

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1869678

https://kashitamil.iitm.ac.in/

https://kashitamil.iitm.ac.in/programs

https://kashitamil.iitm.ac.in/events

https://www.kts.cict.in/about

https://www.kts.cict.in/programme

https://www.kts.cict.in/partners

https://www.kts.cict.in/schedule

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2025/feb/doc2025214502301.pdf

प्रधानमंत्री कार्यालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2197770

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1877325

उपराष्ट्रपति सचिवालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2197743

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2209893

रेल मंत्रालय

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2197516

विशेष सेवा और विशेषताएं (पीआईबी)

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1980376

पीआईबी बैकग्राउंडर्स

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2025/dec/doc2025121712401.pdf

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2025/jun/doc202562561301.pdf

पीआईबी शोध

पीके/केसी/आरटी/एसकेएस/एसवी